News Reported on August 28, 2022

SANMARG

बीबी कॉलेज में बनाया गया रिसर्च एंड डेवलपमेंट सेल

सन्मार्ग संवाददाता

आसनसोल : मार्च 2022 में यूजीसी ने उच्च शिक्षा संस्थानों में रिसर्च एंड डेवलपमेंट को लेकर एक दिशा निर्देश जारी किया था जिसमें हर उच्च शिक्षण संस्थान में रिसर्च एंड डेवलपमेंट सेल बनाने की बात कही गई थी। इसे ध्यान में रखते हुए आसनसोल के बीबी कॉलेज में एक रिसर्च एंड डेवलपमेंट सेल बनाया गया। कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. अमिताभ बासु इसके चेयरमैन हैं, जिसमें कॉलेज के 12 फैकल्टी मेंबर शामिल हैं। इस संबंध में बीबी कॉलेज के सहायक प्रोफेसर सह रिसर्च एंड डेवलपमेंट सेल कन्वेनर डॉ. सुभारती सरकार ने बताया कि रिसर्च एंड डेवलपमेंट सेल का उद्देश्य है कि वह सभी फैकल्टी में रिसर्च की भावना को प्रेरित करें और नए-नए गुणवत्ता संपन्न रिसर्च को प्रोत्साहित करें। सभी फैकल्टी और छात्रों को एनईपी 2020 में स्थान देना भी इसका मकसद है ताकि 3 सालों के अंडर ग्रैजुएट कोर्स को बढ़ाकर 4 सालों का किया जा सके जिसमें 1 साल रिसर्च के लिए होगा। एक रिसर्च इंफॉर्मेशन मैनेजमेंट सिस्टम बनाने की भी कोशिश की जाएगी जिससे सभी रिसर्च से संबंधित जानकारी संग्रह

करना और उसे व्यवस्थित करने की कोशिश की जाएगी, जिससे सभी को फायदा होगा।

रिसर्च को बढ़ाव देना है सेल का उद्देश्य : उच्च शिक्षण संस्थानों, उद्योगों और अन्य रिसर्च केंद्रों के साथ मिलकर रिसर्च को बढ़ावा देना भी इस रिसर्च एंड डेवलपमेंट सेल का मकसद होगा। इसके साथ ही नए उद्योगपतियों और नए विचारों को जगह देने की कोशिश भी की जाएगी। इस योजना के मद्देनजर रिसर्च एंड डेवलपमेंट सेल द्वारा आईक्यूएसी के साथ मिलकर एक राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया गया था जिसका मुद्दा रिसर्च मेथाडोलॉजी एंड इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी राइट्स है। यह वेबीनार इसी साल 17 जुलाई को आयोजित किया गया था जिससे उच्च गुणवत्ता संपन्न रिसर्च के बारे में जानकारी हासिल हो और इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी राइट्स को लेकर जो नियम बनाए गए हैं, उनके बारे में भी पता चले। इस मौके पर विख्यात वैज्ञानिक डॉ. अभिजीत मित्रा तथा डॉ. प्रेमनाथ ने भी अपने विचार रखे थे जिससे सैकड़ों की तादाद में वेबीनार में आए व्यक्ति लाभान्वित हुए थे।

आयोजित होगा सेमिनार : 1 सितंबर 2022 को भी कंबाइंड मेथड एंड लिटरेरी रिसर्च प्रॉब्लम्स एंड पॉसिबिलिटीज पर भी एक सेमिनार का आयोजन किया जाएगा। डॉ. अभिजीत साधुखां यहां मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहेंगे। लिटरेरी कमेटी के साथ मिलकर रिसर्च एंड डेवलपमेंट रिसर्च इनफॉरमेशन मैनेजमेंट सिस्टम बनाने का खाका तैयार कर लिया गया है। उसके लिए जरूरी साजो-सामान भी खरीद लिये गये हैं। विख्यात शोधकर्ता प्रोफेसर डॉ. अनिंद्य बोस इस विषय पर अपने विचार रखेंगे। अगले महीने सीएसआईआर सीएमईआरआई दुर्गापुर के साथ साझा तरीके से कौशल विकास पर भी एक कार्यक्रम के आयोजन की संभावना है। इस तरह के कार्यक्रम जानकारी के साथ-साथ छात्रों के रोजगार पाने की क्षमता को भी बनाएंगे।

News Reported on September 13, 2022

Sanmarg

प्रभात खबर

5/12

'बदलते परिवेश के साथ शिक्षा व्यवस्था में बदलाव जरूरी'

आसनसोल. 'कंबाइंड मेथड्स इन लिटरेरी रिसर्च प्रोब्लेम्स एंड पॉसिबिलिटीज' विषय पर बीबी कॉलेज में एक दिवसीय सेमिनार का आयोजन किया गया. सेमिनार का आयोजन कॉलेज के रिसर्च एंड डेवलपमेंट सेल ने और उद्घाटन कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ अमिताभ बासु ने किया. बीबी कॉलेज में शिक्षा क्षेत्र में उन्नत और विकसित शैक्षणिक परिवेश का विकास करने और शिक्षा के स्तर में सुधर लाने पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि काजी नजरुल यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर डॉ अभिजीत साधु खां ने अपने विचार साझा किये. उन्होंने कॉलेजों व शिक्षण संस्थानों में बदलते परिवेश के साथ शिक्षा व्यवस्था में बदलाव को मजबूती से लागू करने के अपने पक्ष को रखा.

प्रिंसिपल डॉ बासु ने कहा कि रिसर्च एवं डेवलपमेंट सेल के सहयोग से कॉलेज के शिक्षा के गुणवत्ता में सुधर लाया जायेगा, ताकि इसका लाभ सभी को मिल सके. आसनसोल संलग्न क्षेत्र में शिक्षण संस्थानों की संख्या पहले से बढ़ी है. अब यहां कॉलेज के साथ यूनिवर्सिटी भी हैं. उन्होंने कहा कि संख्या के साथ गुणवत्तापूर्ण शिक्षा छात्रों को मिल सके, यही प्रयास है, जिससे पढ़ाई पूरी करने वाले छात्रों को रोजगार मिल सके, उन्हें डिग्री के लेकर भटकना न पड़े. रिसर्च कार्य से समाज के सभी तबकों को लाभ मिल सके और रोजगार के अवसर बढ़ें. उन्होंने कहा कि कॉलेज में पढ़ने वाले शिक्षकों के प्रतिभा का सर्वाधिक उपयोग कर समाज भी लाभान्वित हो सके इस दिशा में कार्य किया जायेगा. कॉलेज और इंडस्ट्री मिलकर रिसर्च करेंगे. नये शिक्षा नीति में स्नातक स्तरीय पाठ्यक्रम को तीन साल से बढाकर चार साल किये जाने को लेकर उन्होंने कहा कि तीन साल पढाई के बाद चौथे साल छात्र रिसर्च कार्य में समय देंगे. इससे छात्र रिसर्च की बारीकियों से अवगत होंगे. इस अवसर पर डॉ केया लायक,डॉ सुभारती सरकार, डॉ परिमल घोष , डॉ चंचल विश्वास, डॉ संदीप चटर्जी, डॉ अर्णब गांगुली, डॉ बिनीता दत्ता, डॉ सुदीप्त दास आदि उपस्थित थे .

News Reported on September 13, 2022

Sanmarg

आसनसोल के बीबी कॉलेज में हुआ रिसर्च इंफॉर्मेशन मैनेजमेंट सिस्टम का उद्घाटन

सन्मार्ग संवाददाता

आसनसोल : मार्च वर्ष 2022 में यूजीसी द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अनुसार आसनसोल के बीबी कॉलेज में रिसर्च एंड डेवलपमेंट सेल का गठन किया गया था तथा एक रिसर्च इंफॉर्मेशन मैनेजमेंट सिस्टम बनाया गया था। बर्दवान विश्वविद्यालय के प्रख्यात वैज्ञानिक डॉ. अनिंद्य बोस ने इस रिसर्च इंफॉर्मेशन मैनेजमेंट

- **अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए किये जा रहे है प्रयास, यूजीसी के गाइड लाइन का हो रहा पालन**

डॉ. अमिताभ बासु के साथ उपस्थित आरएंडडी सेल के सदस्य

सिस्टम का उद्घाटन किया। इसके बाद डॉ. अमिताभ बासु ने उच्च शिक्षा संस्थानों में शिक्षा और शोध के क्षेत्र में ओपन सोर्स सॉफ्टवेयर एंड हार्डवेयर की संभावनाओं पर हुए एक सेमिनार में अपने वक्तव्य पेश किया। उन्होंने कहा कि यूजीसी ने मार्च 2022 में प्रकाशित उच्च शिक्षा संस्थानों (एचईआई) में अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए अपने दिशा-निर्देशों में संकाय, छात्रों, उद्योग और अन्य हितधारकों के लाभ के लिए अनुसंधान सूचना प्रबंधन प्रणाली (आरआईएमएस) बनाने के लिए अनिवार्य किया है। अनुसंधान और विकास प्रकोष्ठ आसनसोल बीबी कॉलेज ने अनुसंधान-उन्मुख जानकारी, डेटाबेस, प्रकाशन, अनुसंधान योजनाओं, सहयोग, नवाचारों आदि को एकत्र करने और प्रबंधित करने के लिए रिसर्च इंफॉर्मेशन मैनेजमेंट सिस्टम खोलने की पहल की, जो अनुसंधान नीतियों के अनुरूप है। इस प्रकार बीबी कॉलेज की उपलब्धि में एक और पंख जुड़ गया। उद्घाटन के दौरान आर एंड डी सेल के अन्य सभी सदस्यों के बीच डॉ. अमिताभ बसु (प्रिंसिपल), डॉ. परिमल घोष (बर्सर), डॉ. सुदीप्त दास (को-ऑर्डिनेटर आईक्यूएसी), डॉ. अर्नब गांगुली (टीसीएस), डॉ. सुभारती सरकार (संयोजक आर एंड डी सेल) मौजूद थे। उसके बाद डॉ. अमिताभ बासु ने "शिक्षण और अनुसंधान के लिए एचईआई में ओपन-सोर्स सॉफ्टवेयर और हार्डवेयर की संभावनाएं" पर एक अत्यधिक मांग वाले सेमिनार के साथ सभी को प्रबुद्ध किया। डॉ. अमिताभ बासु ने सभी को ओपन-सोर्स सॉफ्टवेयर और हार्डवेयर के प्रभावी उपयोग, उनकी विश्वसनीयता, अनुकूलन में आसानी, सुरक्षा, लागत-प्रभावशीलता और कई अन्य लाभों के बारे में विस्तृत जानकारी दी। बीबी कॉलेज द्वारा सभी छात्रों और समाज के लाभ और कल्याण के लिए उत्कृष्ट प्रयास किए जाते हैं।

News Reported on September 17, 2022

Pravat Khabar

प्रभात खबर

4/10

बीबी कॉलेज में जागरूकता संगोष्ठी प्रतियोगिता आयोजित की गयी

आसनसोल. विश्व ओजोन दिवस के अवसर पर बीबी कॉलेज आसनसोल में एक जागरूकता संगोष्ठी आयोजित की गई. पोस्टर निर्माण, भाषण प्रतियोगिता के माध्यम से ओजोन के महत्व को दर्शाया गया. ओजोन परत के महत्व, कारखानों के धुएं और अन्य रासायनिक प्रक्रियाओं से इस परत को होनेवाली क्षति और मनुष्य पर पड़नेवाले दुष्प्रभाव आदि के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई. कार्यक्रम का उद्घाटन बर्दवान यूनिवर्सिटी के पर्यावरण विज्ञान विभाग के विभागीय प्रधान प्रोफेसर डॉ अपूर्व रतन घोष और बीबी कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ अमिताभ बासु ने किया. प्रोफेसर डॉ घोष ने ओजोन परत के कम होने और पराबैगनी किरणों के संपर्क में आने से मनुष्य को होनेवाले दुष्प्रभाव पर अपने वक्तव्य रखे. ओजोन परत को पृथ्वी का कवच बताते हुए कहा कि धरती पर होनेवाली रसायनिक प्रक्रियाओं, कल कारखानों से निकलने वाला धुआं, रसायनिक गैस ओजोन परत को नुकसान पहुंचा रही है. परिणाम स्वरूप पूरी दुनिया में त्वचा का कैंसर, आंखों में जलन और अन्य बीमारियां तेजी से बढ़ रही हैं. दुनिया में ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड में सबसे ज्यादा लोग चमड़े के घातक रोगों की चपेट में आ रहे हैं. उन्होंने इससे बचाव के लिए फ्रिज, एसी, हाइड्रा फ्लोरो कार्बन जैसे तत्वों के उपयोग को कम से कम करने का सुझाव दिया. ओजोन दिवस पर बीबी कॉलेज के बीगल प्रकृति क्लब की ओर से पोस्टर मेकिंग, भाषण प्रतियोगिता आयोजित की गई. जिसमें कॉलेज के विभिन्न विभागों के छात्रों ने हिस्सा लिया. बेहतर प्रदर्शन करने वाले प्रतियोगियों को पुरस्कृत किया गया. डॉ परिमल घोष, डॉ अनिमेष मंडल, संगोष्ठी के कंवेनर राजर्षि दास, सायंतन दत्ता, बिनीता दत्ता आदि उपस्थित थे.

Sanmarg

बीबी कॉलेज में 'वर्ल्ड ओजोन डे' पर सेमिनार आयोजित

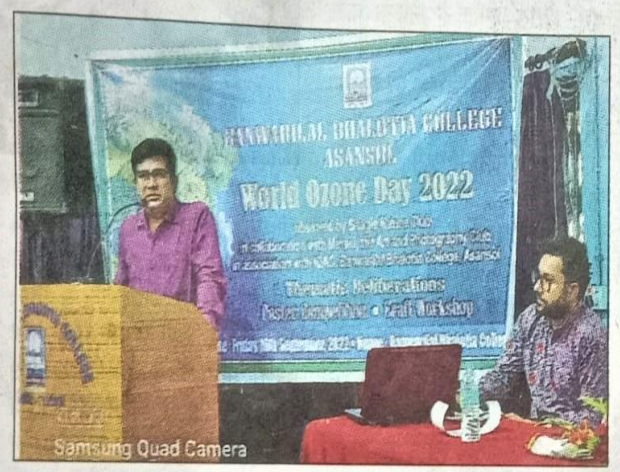

सेमिनार में विद्यार्थियों को संबोधित करते डॉ. अमिताभ बासु

आसनसोल : उषाग्राम स्थित बीबी कॉलेज में विश्व ओजोन डे के अवसर पर सेमिनार के साथ-साथ पोस्टर बनाने की प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। सेमिनार को संबोधित करते हुए बर्दवान विश्वविद्यालय के पर्यावरण विभाग विज्ञान प्रोफेसर डॉ. अपूर्व रतन घोष ने कहा कि 16 सितंबर को विश्व ओजोन डे के रूप में मनाया जाता है। उन्होंने कहा कि पूरी दुनिया भले ही देश, भाषाओं, रंग रूप, संस्कृति और सभ्यताओं में बंटी हुई है, लेकिन सभी एक पर्यावरण में ही रहते हैं। पर्यावरण की रक्षा और सही प्रकार देखभाल करना हर किसी की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि यूनाइटेड नेशन एनवायरमेंट प्रोग्राम के अनुसार समय के साथ गुड ओजोन यानी स्ट्रैटोस्फेरिक ओजोन डैमेज हो रहा है। यह परत पृथ्वी पर पड़ने वाली सूरज की हानिकारक अल्ट्रा वायलेट किरणों से सभी का बचाव करती है। इस मौके पर बीबी कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. अमिताभ बासु ने कहा कि विद्यार्थियों को ओजोन परत के बारे में जागरूक किया गया और किस तरह से यह हमें रक्षा करता है, इसकी जानकारी दी गई। उन्होंने कहा कि मौके पर एक कार्यशाला का भी आयोजन किया गया। कार्यशाला में परिवेश की रक्षा एवं प्रदूषण की रोकथाम पर विशेष जानकारी दी गई। सेमिनार में विभिन्न कॉलेज के विद्यार्थियों ने भाग लिया था। प्रतियोगिता में हिस्सा लेने वाले प्रतिभागियों को प्रमाणपत्र दिया गया। इस मौके पर संयोजक राजर्षि दास, आयोजन सचिव सायंतन दत्ता, सदस्य सुकुमार डे, डॉ. बिनीता दत्ता, डॉ. चंदना सिंह, डॉ. सिद्धार्थ सिंह देव, डॉ. कुंतल बकुलिक, डॉ. ऋत्विक रॉय, डॉ. जरका जमाली, डॉ. सुभारती सरकार सहित अन्य मौजूद थे।

News Reported on December 5, 2022

Sanmarg

गणित में यूजी व पीजी छात्रों की भविष्य की संभावनाएं पर अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी

सेमिनार में उपस्थि विद्यार्थी

सन्मार्ग संवाददाता

आसनसोल : उषाग्राम स्थित बीबी कॉलेज के सभागार में अनुसंधान और विकास सेल बीबी कॉलेज आसनसोल के सहयोग से गणित विभाग बीबी कॉलेज 'गणित में यूजी और पीजी छात्रों की भविष्य की संभावनाएं' पर एक अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया। अग्रणी अंतरराष्ट्रीय वैज्ञानिक और उद्योग विशेषज्ञ डॉ. पवन कुमार गुप्ता सेमिनार के रिसोर्स पर्सन थे। डॉ. गुप्ता बीबी कॉलेज आसनसोल के पूर्व छात्र हैं और उन्होंने यूएसए में अपना आगे का अध्ययन जारी रखा है। वह वर्तमान में मैरीलैंड विश्वविद्यालय, बाल्टीमोर, यूएसए में पोस्ट डॉक्टोरल फेलो हैं और उन्होंने फर्माकोकाइनेटिक्स, फर्माकोडायनामिक्स मॉडलिंग और सिमुलेशन, रेडिएशन ऑन्कोलॉजी आदि जैसे फर्मास्युटिकल अनुसंधान क्षेत्रों में योगदान दिया है और यूएसए में प्रमुख फर्मास्युटिकल कंपनियों के साथ काम किया है। संगोष्ठी की शुरुआत प्रिंसिपल डॉ. अमिताभ बासु के स्वागत भाषण से हुई जिन्होंने दर्शकों को दैनिक जीवन में गणित के महत्व और गणित के विशाल अनुप्रयोगों और गणित में करियर के बारे में बताया। डॉ. पवन गुप्ता ने भारत और विदेशों में करियर के रूप में गणित की अपार संभावनाओं का विस्तृत विवरण दिया। डॉ. गुप्ता ने फिर एक चरणबद्ध दृष्टिकोण दिया कि कैसे एक छात्र संयुक्त राज्य अमेरिका में आवेदन के लिए तैयारी कर सकता है और जीआरई और टीओईएफएल जैसे प्रवेश परीक्षा कैसे दे सकता है। छात्र बहुत उत्साहित हुए और यूएसए में अध्ययन करने के संबंध में कई प्रश्न पूछा। संगोष्ठी में डॉ. तापस कुमार माजी एचओडी गणित, डॉ. सुदीप्त दास, आईक्यूएसी समन्वयक, डॉ. सुभारती सरकार, संयोजक आरएंडडी सेल, डॉ. अर्णव गांगुली, संयोजक करियर काउंसलिंग सेल और अन्य संकाय सदस्य उपस्थित थे।

News Reported on March 1, 2023

Pravat Khabar

बीबी कॉलेज में मनाया गया राष्ट्रीय विज्ञान दिवस

भौतिकी ही नहीं अन्य विभागों के छात्रों ने बढ़-चढ़ कर लिया हिस्सा

प्रतिनिधि, आसनसोल

बीबी कॉलेज आसनसोल के विवेकानंद हॉल में कॉलेज के अनुसंधान और विकास सेल की ओर से देश के महान वैज्ञानिक डॉ सीवी रमन को समर्पित राष्ट्रीय विज्ञान दिवस मनाया गया. विज्ञान दिवस के महत्व, इसके आयोजन के पीछे के कारणों को वक्ताओं ने अपने संक्षिप्त वक्तव्य के माध्यम से साझा किया.

विज्ञान दिवस के कार्यक्रम में सिर्फ भौतिकी ही नहीं विभिन्न विभागों के छात्रों ने बढ़-चढ़ कर भागीदारी की. बर्दवान विवि के रसायन विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर राजर्षि घोष ने कहा कि राष्ट्रीय विज्ञान दिवस हमारे देश के भारतीय वैज्ञानिक और बहुमुखी प्रतिभा के धनी सर सीवी रमन को समर्पित है. जिन्होंने 1928 में एक बड़ी खोज कि थी, जो बाद में रमन इफेक्ट के नाम से विख्यात हो गया.

इस खोज के लिए उन्हें नोबेल पुरस्कार से सम्मानित किया गया था. उन्होंने कहा कि यह पहला मौका था ,जब किसी भारतीय वैज्ञानिक को नोबल पुरस्कार से पुरस्कृत किया गया था. कॉलेज के जूलॉजी विभाग के डॉ अर्णव गांगुली ने कहा कि सीवी रमन ने हमारे देश को गौरवान्वित किया था. उन्होंने युवाओं से उनके सिद्धांतों का अनुसरण करने का आग्रह करते हुए कहा कि उनके बताये मार्गों पर चलकर आज के युवा भी अपना नाम रोशन कर देश को गौरवान्वित कर सकते हैं. इस अवसर पर डॉ एस. सरकार, डॉ काजल कृष्ण दास, डॉ अपूर्व बनर्जी, डॉ एसएस मंडल आदि उपस्थित थे.

Sanmarg

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के उपलक्ष्य में कार्यक्रम का आयोजन

आसनसोल : राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के उपलक्ष्य में भौतिकी विभाग द्वारा कॉलेज के शोध एवं विकास प्रकोष्ठ के सहयोग से वैश्विक भलाई के लिए वैश्विक विज्ञान के विषय पर बीबी कॉलेज में वेबीनार का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत प्रभारी शिक्षक प्रो. परिमल घोष ने की। इस दौरान बर्दवान विश्वविद्यालय के रसायन विज्ञान विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर प्रो. राजर्षि घोष उपस्थित रहे जहां उन्होंने विख्यात साइंटिस्ट सीवी रमन, केएस कृष्णन, और प्रो. एस वेंकटेश्वरन द्वारा किए गए प्रयोगों के बारे विस्तार से चर्चा की। इस अवसर पर उन्होंने वर्तमान पीढ़ी को काम करने और वैश्विक परिप्रेक्ष्य में विज्ञान के क्षेत्र को आगे बढ़ाने की आवश्यकता पर भी जोर दिया। इस दौरान भौतिकी विभाग के प्रोफेसर डॉ. अविक घोष द्वारा स्थानीय आकाश में तारामंडल देखने को लेकर एक प्रदर्शन भी किया गया। इसके बाद विज्ञान पर एक प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। कार्यक्रम में भौतिकी विभाग से डॉ. सीपी शॉ मंडल, गणित विभाग से डॉ. अपूर्वा बनर्जी व अनुसंधान और विकास प्रकोष्ठ की संयोजक डॉ. सुभारती सरकार उपस्थित थे। इसके अलावा बीबी कॉलेज के करियर काउंसलिंग एंड प्लेसमेंट सेल ने जॉर्ज टेलीग्राफ के सहयोग से मंगलवार को नेटवर्क और नेटवर्क प्रोसेसिंग पर वर्कशॉप का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में विद्यार्थियों को अत्यधिक भुगतान वाली नौकरियों को सुनिश्चित करने वाले वर्तमान नौकरी बाजार में नेटवर्किंग का महत्व बताते हुए जागरूक किया गया। इस दौरान प्लेसमेंट के अवसरों पर भी विस्तार से चर्चा की गई। इस कार्यक्रम का उद्घाटन शिक्षक परिषद के सचिव डॉ. अर्णब गांगुली ने किया। साथ ही करियर काउंसलिंग और प्लेसमेंट सेल के सदस्य संतोष भगत उपस्थित थे। इस दौरान जॉर्ज टेलीग्राफ के सदस्य देवेंद्र वर्मा, देबमाल्य कुंडू, तापस अधिकारी ने विद्यार्थियों को उक्त विषय पर प्रशिक्षण दिया।

News Reported on June 28, 2023

बीबी कॉलेज : शोध व विकास के प्रोत्साहन पर हुई चर्चा

आसनसोल. बीबी कॉलेज रिसर्च एंड डेवलपमेंट सेल की और से सोर्सेज़ ऑफ रिसर्च ग्रांट्स एंड रिसर्च प्रपोजल्स के विषय पर कॉलेज के विवेकानंद सभागार में सेमिनार हुआ. इसमें विशेषज्ञ वक्ताओं ने कॉलेज व शिक्षण संस्थानों में शोध कार्यों को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न राष्ट्रीय फंडिंग एजेंसियों से फंड पाने के सरल व कारगर तरीके बताये.

सेमिनार के मुख्य वक्ता काजी नजरुल विश्वविद्यालय के माइंस एन्ड मेटलर्जी विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ अरिंदम विश्वास ने कहा कि शिक्षण संस्थानों में शोध कार्य को बढ़ावा देने को कई मशीनों व सिस्टम्स की दरकार पड़ती है. देश में अनेकों ऐसी फंडिंग एजेंसियां विज्ञान व औद्योगिक अनुसंधान परिषद , विज्ञान व प्रौद्योगिकी विभाग, जैव प्रौद्योगिकी विभाग, अंतरिक्ष विभाग, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद, प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड, विज्ञान व इंजीनियरिंग अनुसंधान बोर्ड आदि हैं, जो शोध कार्यों की फंडिंग करती हैं. मौके पर प्रिंसिपल डॉ अमिताभ बसु ने कहा कि शोध कार्यों के लिए जरूरी ढांचागत व्यवस्था व अन्य मदों में काफी खर्च आता है, जो शिक्षण संस्थान वहन नहीं कर पाते. इसलिए शोधकार्यों को एजेंसियों से फंड़ कराना पड़ता है. मौके पर डॉ परिमल घोष, डॉ सुदीप्त दास, डॉ शिल्पी साव मंडला आदि उपस्थित थे.